Paper - V

MT

2017 1100

MT - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - II - PAPER - V

Time : 3 Hours **Model Answer Paper** **Max. Marks : 80**

विभाग 1 - गद्य

उ.1. (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

1) i) **उत्तर लिखिए।**

(1) राजकुमार को । ½

(2) सन्यासी के। ½

ii) **समझकर लिखिए।**

(1) स्वादिष्ट व्यंजनों पर। ½

(2) सुनहरे तकियों की। ½

2) **समझकर लिखिए।** **2**

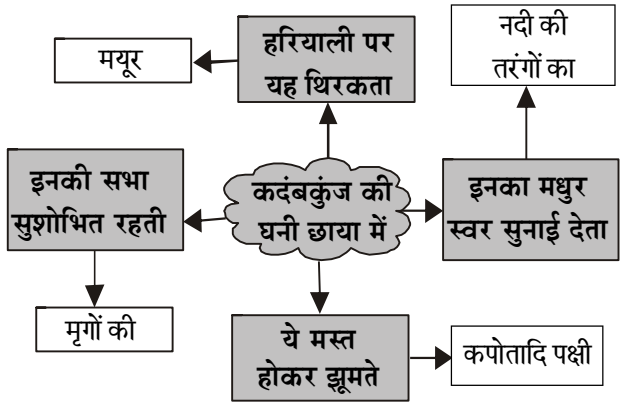

3) i) **निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द परिच्छेद से ढूढ़ कर लिखिए।**

(1) छाया - धूप (2) बेस्वाद - स्वाद **1**

ii) **परिच्छेद में आई दो भाववाचक संज्ञाएँ**

(1) हरियाली (2) तृप्ति **1**

4) मेरे विचार से संन्यासी का जीवन अधिक सुंदर था । राजकुमार के जीवन में ऐश्वर्य था, उसके जीवन में भौतिक साधन थे किंतु संन्यासी का जीवन प्रकृति से जुड़ा था। हरे-भरे पेड़, नदी, पक्षी, शीतल वायु आदि प्रकृति के रूपों के साथ उसका जीवन आगे बढ़ रहा था । राजकुमार के जीवन की तरह किसी भी प्रकार की औपचारिकता संन्यासी के जीवन में नहीं थी । **2**

उ.1. (ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

1) i) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

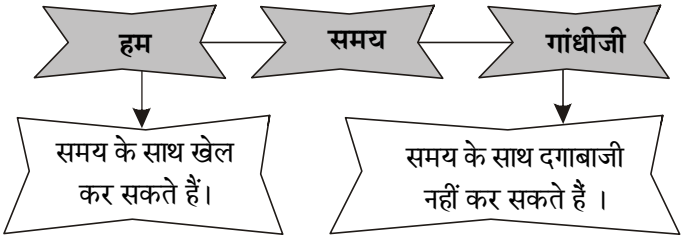

ii) **परिच्छेद में प्रयुक्त उंगलियों के नाम -** **1**

(1) तर्जनी (2) अँगूठा

2) i) **सत्य या असत्य पहचानकर लिखिए।** **1**

(1) सत्य (2) असत्य

ii) **उपर्युक्त गद्यांश से दो ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हो।** **1**

(1) **दगाबाजी -** बापू समय के साथ क्या नहीं कर सकते थे ?

(2) **बापू -** समय पर स्नान किसने किया ?

3) i) **निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी परिच्छेद में से ढूँढ़कर लिखिए।** **1**

(1) संध्या - शाम

(2) सीख - सबक

3) ii) **विलोम शब्द लिखिए।** **1**

(1) निश्चित × अनिश्चित

(2) देरी × जल्दी

4) जब कोई कार्य निर्धारित समय किया जाए तो ही उसे समय का सदुपयोग कहा जा सकता है। प्रत्येक कार्य का समय निश्चित कर लेने से हमारे सभी कार्य ठीक से और समय पर पूरे हो जाते हैं। इससे किसी कार्य के छूटने या समय पर न होने का नुकसान नहीं होता। समय की नियमितता सफलता की कुंजी है। उचित समय पर कार्य न करने से पूरा कार्यक्रम अस्त-व्यस्त हो जाता है। अत: हम नियमित होकर अपने जीवन में बड़े से बड़े लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। **2**

उ.1.	**(ग) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।**	
1)	**उचित विकल्प चुनकर वाक्य पूर्ण कीजिए ।** i) गांधी जी के अनुसार खराब हस्तलिपि **अधूरी शिक्षा की** निशानी है । ii) गांधी जी का विश्वास है कि सुंदर लिखावट **विद्या का आवश्यक अंग है ।**	1
2)	**उचित विधान द्वारा वाक्य पूर्ण कीजिए ।** i) पढ़ाई में सुंदर अक्षर जरूरी नहीं, इस विचार को गांधी जी **कुबुद्धि मानते हैं ।** ii) वकील बनकर गाँधी जी **अफ्रीका गए ।**	1
3)	लिखते तो प्राय: सभी हैं, पर सबकी लिखावट एक सी नहीं होती । कुछ लोगों की लिखावट सुंदर और स्पष्ट होती है । उनके अक्षर मोती के दानों जैसे होते हैं । वे पढ़ने वाले पर अपना विशेष प्रमाण डालते हैं । खराब अक्षरोंवाली लिखावट पढ़ने में तकलीफ होती है । उसे पढ़ तो लेते हैं, पर मन प्रसन्न नहीं होता । गांधी जी की लिखावट अच्छी नहीं थी । उन्हें जीवनभर इसका अफसोस रहा ।	2
	विभाग 2 - पद्य	
उ.2.	**(च) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**	
1)	i) **आकृति पूर्ण कीजिए।** ग्वालों के साथ घर में घुस आते हैं । — **कृष्ण पर लगे आरोप** — चोरी करके माखन खाते हैं।	1
	ii) **कृति पूर्ण कीजिए।** कृष्ण अनोखा पुत्र है । **गोपियों का ताना** ऐसे पुत्र को यशोदा ने न जाने कैसे जन्म दिया ।	1

2) i) (1) दूध (2) दही **1**

ii) (1) कृष्ण की माता का नाम बताइए। **½**
(2) शिकायत कौन कर रही हैं? **½**

3) i) (1) खवायो - खिलाया (2) जायो - जन्म देना **1**

ii) (1) खायो - आयो (2) खवायो - ढरकायो **1**

4) प्रस्तुत पंक्तियों में गोपियाँ माता यशोदा से कृष्ण की शिकायत करती हैं। वे कहती हैं कि आपका बेटा हमारे घरों में रोज घुसकर दूध-दही खा जाता है। खाते-खाते बहुत सारा दूध-दही गिरा भी देता है, जिससे दूध-दही का नुकसान भी होता है। गोपियाँ कहती हैं कि दिन-प्रति-दिन गोरस की हानि हो रही है। तुम्हारा बेटा न जाने किस ढंग से पैदा हुआ है? सूरदास जी कहते हैं कि ब्रजनारियाँ यशोदा मैया से कहती हैं कि तुमने अनोखे पुत्र को जन्म दिया है। **2**

उ.2. (छ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

1) i) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

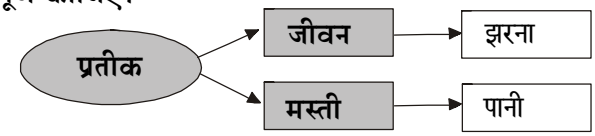

ii) (1) सुख (2) दुख **1**

2) i) **उत्तर लिखिए।** **1**
(1) जीवन और निर्झर दोनों अपने मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर कर अपनी मस्ती में आगे बढ़ते हैं।
(2) झरना घाटी से बहकर समतल मैदान में आया।

ii) **आकृति पूर्ण कीजिए।** **1**

3) i) (1) पानी - मनमानी (2) नीचे - खींचें **1**

ii) **निम्न शब्दों के लिंग बताइए।**
(1) अंचल - पुल्लिंग (2) गिरि - पुल्लिंग **1**

4) कवि कहता है कि मानव-जीवन एक झरने की तरह है। जीवन में मस्ती ही इसका पानी है। जिस प्रकार झरना दो किनारों के बीच से अपनी मर्ज़ी से अपनी राह चल रहा है, उसी प्रकार जीवन सुख-दु:ख रूपी दो किनारों के बीच से अपने जीवन-पथ पर मनमानी चाल से चल रहा है। **2**

विभाग - 3 - पूरक पठन

उ.3. **पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।** **(4)**

1) i) **उत्तर लिखिए ।** **1**

(1) स्याह चेहरा (2) टेढ़ी मुस्कान
(3) विचित्र हँसी (4) तिर्यक भंगिमा

ii) **समझकर लिखिए।** **1**

(1) सभी सियारों का ज़ोर-ज़ोर से 'हुआ...हुआ' कह कर चिल्लाना।
(2) सियारों द्वारा 'हुआ...हुआ' और उल्लुओं के घिघियाने से लेखिका का रक्तचाप बढ़ा।

2) प्राकृतिक रम्य-स्थलों पर पेड़-पौधे होते हैं। अत: वहाँ पर तरह- तरह के पक्षी होते हैं। इन पंछियों की चहचहाट हमारे कानों में मानो मिसरी ही घोल देती है। कोयल की 'कुहू-कुहू' की ध्वनि हमें सुंदर अनुभूति का अहसास दिलाती है। तोते की बोली, बुलबुल का स्वर एवं चिड़िया की 'चिव-चिव' हमारे मन को प्रसन्न कर देती है। उल्लू की घिघियाने की आवाज भले ही कितनी भयंकर लगती हो, पर उस आवाज़ में एक अद्‌भुतता होती है। पक्षियों के कलरव को सुनकर हमें भी गीत गाने का मोह उत्पन्न हो जाता है। **2**

विभाग - 4 - व्याकरण

उ.4. **सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।**

1) i) **निम्नलिखित शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **½**

महादेवी के संस्मरण लोकप्रिय हैं ।

ii) **अधोरेखांकित शब्द का भेद पहचानिए ।** **½**

उड़ रहे - क्रिया

2) **निम्नलिखित वाक्य शुद्‌ध करके लिखिए ।** **1**

क्रोध से उसके नेत्र लाल हो गए ।

3) **निम्नलिखित सहायक क्रियाओं का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **½**

i) पिता जी बाजार चले गए ।

	ii) **सहायक क्रिया छाँटकर लिखिए ।** सकी - सकना - सहायक क्रिया	½
4)	**प्रेरणार्थक क्रिया के रूप लिखिए ।** **क्रिया** **प्रथम प्रेरणार्थक** **द्‌वितीय प्ररेणार्थक** गुथना गुथाना गुथवाना	**1**
5)	i) **अव्ययों का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** अच्छा ! आपका खोया हुआ भाई मिल गया ।	**1**
	ii) **अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए ।** के बीच - संबंधसूचक अव्यय ।	**1**
6)	**कालपरिवर्तन कीजिए ।** वह हिमालय को खोजता है । वह हिमालय को खोजेगा ।	**2**
7)	i) **मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में उचित प्रयोग कीजिए ।** मुँह फेरना - उपेक्षा करना । वाक्य :- मैंने मित्र से उसकी पुस्तक माँगी तो उसने **मुँह फेर लिया ।**	**1**
	ii) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए ।** प्रदर्शनी की वस्तुएँ मोल ली गईं ।	**1**
	विभाग - 5 - रचना	
उ.5.	**सूचना : आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है :**	
1)	**निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए ।** करन वेद बगीचा बिल्डिंग, कोल्हापुर । दिनांक - 5 मार्च, 2017 सेवा में, श्रीमान कोतवाल साहब, शहर विभाग, कोल्हापुर । **विषय :** सार्वजनिक गणेशोत्सव के समय ध्वनि प्रदूषण की शिकायत ।	**5**

माननीय महोदय,

मैं आपके शहर का निवासी हूँ । दसवीं कक्षा में पढ़ता हूँ । इस पत्र द्वारा मैं रेकार्ड बजने के कारण अध्ययन में पड़नेवाली बाधा की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ । शहर में आजकल चारों तरफ गणेशोत्सव की धूम है । दिन-रात शहर में रिकार्ड बज रहे हैं। परीक्षा करीब है और पढ़ाई ठीक से नहीं हो पा रही है । आवाज़ इतनी तेज रहती है कि पढ़ने में मन नहीं लगता है । हम कई बार रेकार्ड बजानेवालों से शिकायत कर चुके हैं लेकिन उन्होंने
हमारी बात पर ध्यान नहीं दिया । उत्सव के कारण किसी की व्यक्तिगत जिंदगी प्रभावित नहीं होनी चाहिए । रिकार्ड बजाने की समय-सीमा निर्धारित होनी चाहिए ताकि हम शांतिपूर्ण ढंग से अध्ययन कर सकें। यह हमारे भविष्य का प्रश्न है ।

अत: आपसे प्रार्थना है कि विद्यार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए उचित कार्यवाही करने की कृपा करें ।

कष्ट के लिए क्षमाप्रार्थी हूँ ।

धन्यवाद !

भवदीय,
करन वेद ।

टिकट

सेवा में,
श्रीमान कोतवाल साहब,
शहर विभाग,
कोल्हापुर ।

प्रेषक,
करण वेद,
बगीचा बिल्डिंग,
कोल्हापुर ।

अथवा

दिवाकर कदम,
सुंदरधाम,
गुड़गाँव ।
दिनांक - 5 मार्च, 2017

सेवा में,
श्रीमान प्रधानाध्यापक जी,
शास्त्री विद्यालय, शास्त्री नगर,
गुड़गाँव ।

विषय : मासिक शुल्क-माफ करवाने के लिए प्रार्थना पत्र ।

माननीय महोदय,

मैं आपके विद्यालय का दसवीं का छात्र हूँ। मैं इस विद्यालय में पाँचवीं कक्षा से पढ़ रहा हूँ और हमेशा कक्षा में प्रथम आता हूँ।

मेरे परिवार में मेरे माता-पिता के अलावा तीन भाई-बहन हैं। परिवार की जीविका चलानेवाले मेरे पिताजी चार महीने पहले एक मोटर दुर्घटना में अपना दाहिना हाथ गँवा चुके हैं। नौकरी छूट गई है। परिवार में कोई दूसरा कमानेवाला नहीं है। सभी भाई-बहनों में मैं सबसे बड़ा हूँ । परिवार की आर्थिक दशा दयनीय है। पिछले दो महीने से मैंने मासिक शुल्क नहीं जमा किया है। मुझे नहीं लगता है कि मैं मासिक शुल्क जमा कर पाऊँगा।

अत: आपसे प्रार्थना है कि मेरी दयनीय आर्थिक स्थिति को देखते हुए मासिक शुल्क माफ करने की कृपा करें।

कष्ट के लिए क्षमाप्रार्थी हूँ।

धन्यवाद !

आपका आज्ञाकारी छात्र,
दिवाकर कदम।

टिकट

सेवा में,
श्रीमान प्रधानाध्यापक जी,
शास्त्री विद्यालय,
गुड़गाँव।

प्रेषक,
दिवाकर कदम, सुंदरधाम,
गुड़गाँव।

2) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दों में कहानी लिखकर शीर्षक दीजिए । 5

जीत या हार, रहो तैयार

बहुत पुराने समय की घटना है। सुजानगढ़ नामक राज्य में दिनकर नाम का बालक रहता था। वह अत्यधिक चंचल था । अपनी पढ़ाई के अलावा वह सभी कामों में खूब दिलचस्पी लेता था इसलिए वह परीक्षा में कम अंक पाता रहा । अंतत: वह परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो गया । अपने माता-पिता, गुरुजनों और मित्रों के सुझाव व प्रोत्साहन पर वह दुबारा पढ़ाई में जुट गया लेकिन दूसरे वर्ष भी उसके प्रयास को सफलता हाथ नहीं लगी ।

एक ही कक्षा में दुबारा अनुत्तीर्ण होने पर वह निराशा में घिर गया । उसे लगा कि ऐसे असफल जीवन से बेहतर इस जीवन का अंत करना होगा । आत्महत्या के विचार से वह घर से चल पड़ा। राह से गुजरते हुए उसका ध्यान एक बगीचे की ओर गया । उसने देखा कि बंदर का छोटा बच्चा पेड़ पर चढ़ने का प्रयास कर रहा था । बंदर का बच्चा बार-बार ऊपर चढ़ने की कोशिश करता, बार-बार जमीन पर गिर पड़ता । इतने पर भी वह निराश नहीं हुआ । उसने अपना प्रयास लगातार जारी रखा । अंत में वह पेड़ पर चढ़ने में सफल हो गया । बंदर के बच्चे की सफलता देखकर दिनकर फूला नहीं समाया ।

दिनकर को ध्यान आया कि वह भी बंदर के बच्चे की भाँति प्रयास कर सकता है। इसके बाद वह घर लौट आया और एकाग्रचित्त होकर पढ़ने लगा । उसे अच्छे अंक प्राप्त होने लगे, श्रेष्ठ प्रदर्शन के कारण उसे पुरस्कार

मिलने लगे । सभी ने दिनकर की इस सफलता पर प्रसन्न होकर बधाइयाँ दीं । दिनकर भी अपनी सफलता और अपने प्रयास पर गौरवान्वित अनुभव कर रहा था ।

सीख : इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि सफलता पाने के लिए किए गए सभी सच्चे और गंभीर प्रयास व्यक्ति को काबिल और कामयाब बना ही देते हैं ।

3) निम्नलिखित गद्यखंड को ध्यानपूर्वक पढ़कर पाँच प्रश्न तैयार कीजिए, जिनका उत्तर एक वाक्य में लिखा जा सके । **5**

(1) भाषा की सार्थकता किसमें है ?
(2) वार्तालाप की शिष्टता से मनुष्य को क्या लाभ होता है ?
(3) मधुर वचन किस प्रकार प्रभाव डालते हैं ?
(4) सामाजिक व्यवहार के लिए क्या आवश्यक है ?
(5) शब्दों का जादू क्या कर सकता है ?

उ.6. 1) प्रसंग लेखन । (लगभग 60 से 80 शब्दों में) **5**

उस दिन मैं मेरे मित्रों के साथ घुमने गया था । अचानक एक वृद्ध व्यक्ति चक्कर खाकर गिर पड़ा । मैंने उसे नीचे गिरते हुए देखा । मुझसे रहा नहीं गया और मैं तुरंत उस वृद्ध व्यक्ति के पास पहुँचा । मेरे पास सौभाग्यवश पानी की बोतल थी । मैंने न आव देखा न ताव बोतल का पानी उसके मुँह पर छिड़का । इस कारण उस वृद्ध को होश आ गया । तब तक सड़क पर आने - जानेवाले कई लोग वहाँ पर इकट्ठा हो गए । मैंने उस वृद्ध के सिर को अपनी गोदी में रखकर उसे पानी पिलाया । वृद्ध ने पानी के एक दो घूँट पी लिए । सड़क पर इकट्ठा हुए लोगों ने वृद्ध को एक मोटर गाड़ी में बिठाकर अस्पताल ले जाने का निर्णय लिया । गाड़ी में बैठकर अस्पताल जाते समय वृद्ध ने मेरे हाथों को चूमते हुए कहा, ''भगवान तुम्हारा भला करे, बेटा ।'' उस वक्त मुझे जो प्रसन्नता हुई थी । उसका वर्णन करने के लिए मेरे पास पर्याप्त शब्द नहीं है ।

2) विज्ञापन लेखन । (लगभग 60 से 80 शब्दों में) **5**

''व्याख्यानमाला का आयोजन''

कालीदास हाल, पी.के.रोड.,
मुलुंड (पश्चिम)
दिनांक 10 अक्टूबर 2017

समय - शाम के 6 बजे से 7 बजे तक ।

मुख्य अतिथि - माननीय मुख्यमंत्री महाराष्ट्र सरकार ।
आप सभी से निवेदन है कि सही समय पर पहुँच कर
व्याख्यानमाला का लाभ उठाएँ ।
धन्यवाद ! धन्यवाद ! धन्यवाद !

3)	**स्वमत : (लगभग 60 से 80 शब्दों में)** ऐतिहासिक स्थल पर अस्वच्छता व दुरावस्था को देखकर मेरे मन में विचार आया कि आज भी हमारे देश में लोग स्वच्छता के प्रति जागरूक नहीं हैं । सरकार की तरफ से रोज सफाई अभियान चलाया जा रहा है । फिर भी हम स्वच्छता पर ध्यान नहीं दे रहे हैं । विशेषकर सार्वजनिक जगहों जैसे - अस्पतालों, रेल्वेस्टेशनों, विद्यालयों तथा पर्यटन स्थलों पर जहाँ लोगों की भीड़ जमा होती है । हमें गंदगी बिल्कुल नहीं करनी चाहिए । कागज के टुकड़े, पानी की खाली बोतलें, खाद्य सामग्री, तथा फलों के छिलके आदि कूड़ेदान में डालना चाहिए । दीवारों तथा आसपास के खाली जगहों पर पान, गुटके आदि खा कर नहीं थूँकना चाहिए । यदि हम ध्यान नहीं देंगे तो आने वाले समय में कॉलरा, टायफाइड, मलेरिया, डेंगू जैसी बीमारियों का प्रकोप और अधिक बढ़ जाएगा । ❖❖❖❖	5